अथ श्रीसम्यक्त्वशल्योद्धार ग्रंथस्य विषयानुक्रमणिका।

नं०	विषयाः	पृष्टांकाः
१	मंगलाचरणम्	१
२	ढूंढकमतकी उत्पत्ति वगैरह	१
३	ढूंढकमतकी पट्टावली	८
४	ढूंढियोंके ५२ प्रश्नोंके उत्तर	११
५	ढूंढियोंके प्रति १२८ प्रश्न	१८
६	बत्तीससूत्रोंके बाहिरके २०४ बोल ढूंढिये मानते हैं	२८
७	बत्तीससूत्रोंमेंसे कितनेक बोल ढूंढिये नहीं मानते हैं	३७
८	निर्युक्ति वगैरह मानना शास्त्रोंमें कहा है	४०
९	आर्यक्षेत्रकी मर्यादा	४५
१०	प्रतिमाकी स्थितिका अधिकार	४६
११	आधाकर्मी आहारकी बाबत	४९
१२	मुहपत्ती बांधनेसे सन्मूर्च्छिम जीवकी हिंसा होती है	५२
१३	यात्रा तीर्थ कहे हैं इसबाबत	५५
१४	श्रीशत्रुंजय शाश्वता है	५९
१५	कयबलिकम्मा शब्दका अर्थ	६१
१६	सिद्धायतन शब्दका अर्थ	६६
१७	गौतमस्वामी अष्टापदपर चढे	७०
१८	नमुथ्थुणंके पाठकी बाबत	७६
१९	चारों निक्षेपे अरिहंत वंदनीक हैं	७८

नं०	विषयाः	पृष्टांकाः
२०	नमूना देखके नाम याद आता है	८९
२१	नमो बंभीए लिवीए इसपाठका अर्थ	९४
२२	जंघाचारणविद्याचारण साधुओंनेजिनप्रतिमावांदी है	९७
२३	आनंद श्रावकने जिनप्रतिमा वांदी है ...	१०६
२४	अंबड श्रावकने जिनप्रतिमा वांदी है ...	११६
२५	सातक्षेत्रमें धन खरचना कहा है	१२०
२६	द्रौपदीने जिनप्रतिमा पूजी है	१२८
२७	सूर्याभने तथा विजयपोलीएने जिनप्रतिमा पूजी है	१४८
२८	देवता जिनेश्वरकी दाढा पूजते हैं	१७१
२९	चित्रामकी मूर्त्ति नहीं देखनी चाहिये इसबाबत	१८३
३०	जिनमंदिर करानेसे तथाजिनप्रतिमा भरानेसे १२वें देवलोक जावे	१८६
३१	श्रीनंदिसूत्रमें सर्व सूत्रोंकी नोंध है	१९४
३२	साधु या श्रावक श्रीजिनमंदिर न जावे तो दंड आवे, इसबाबत श्रीमहाकल्पसूत्रके पाठ सहितवर्णन	१९७
३३	जेठमल्लके लिखे ८५ प्रश्नोंके उत्तर	२०३
३४	ढूंढियोंको कितनेक प्रश्न	२२२
३५	सूत्रोंमें श्रावकोंने जिनपूजाकरी कहा है इसबाबत	२२५
३६	सावद्य करणी बाबत	२३०
३७	द्रव्यनिक्षेपा वंदनीक है	२३५
३८	स्थापना निक्षेपा वंदनीक है	२३६
३९	शासनके प्रत्यनीकको शिक्षादेनी	२३८

नं०	विषयाः	पृष्ठांकाः
४०	वीस विहरमानके नाम	२४१
४१	चैत्यशब्दका अर्थ साधु तथा ज्ञान नहीं	२४२
४२	जिनप्रतिमा पूजनेके फल सूत्रोंमें कहे हैं	२४८
४३	महिया शब्दका अर्थ	२५१
४४	छीकायाके आरंभ बाबत	२५३
४५	जीवदयाके निमित्त साधुके वचन ...	२५६
४६	आज्ञा सो धर्म है इसबाबत	२५८
४७	पूजा सो दया है इसबाबत	२६१
४८	प्रवचनके प्रत्यनीकको शिक्षा करने बाबत ...	२६६
४९	देवगुरुकी यथायोग्य भक्ति करने बाबत	२६७
५०	जिनप्रतिमा जिनसरीखी है इसबाबत	२६९
५१	ढूंढकमतिका गोशालामती तथा मुसलमानोंके साथ मुकाबला	२७२
५२	मुंहपर मुहपत्ती बंधी रखनी सो कुलिंग है	२७८
५३	देवता जिनप्रतिमा पूजते हैं सो मोक्षके वास्ते है	२८१
५४	श्रावक सूत्र न पढे इसबाबत	२८२
५५	ढूंढिये हिंसाधर्मी हैं इसबाबत	२८९
५६	ग्रंथ की पूर्णाहुति	२९४
५७	ढूंढक पचविशी	२९७
५८	सवैय्ये	२९९
५९	समतिप्रकाश बारह मास	३०१